Issued by the European Division of Seventh-Day Adventists Höheweg 17, Berne, Switzerland
statistical report of the european division of the general

| Name of Conference or Mission |  |  |  | $\begin{aligned} & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & \text { D } \end{aligned}$ |  |  |  | $\begin{aligned} & \stackrel{5}{\mathbb{E}} \\ & \frac{\mathbb{N}}{6} \\ & \text { 心 } \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \text { 흥 } \\ & \text { in } \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \infty \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & \stackrel{y}{c} \\ & \stackrel{N}{c} \\ & H \end{aligned}$ | $\begin{gathered} \underset{\sim}{E} \\ \text { ox } \\ \underset{\sim}{z} \\ \underset{\sim}{2} \end{gathered}$ |  | Ordained Ministers |  | Lic. Missionaries | $\text { S.1әy10M } 12470$ | 0 $\frac{2}{0}$ $\stackrel{7}{5}$ 0 0 0 0 2 |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | . 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14. | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| European Division | $\cdots$ | ... | . | . | . | $\ldots$ | $\cdots$ | $\cdots$ | $\cdots$ | . | $\cdots$ | . . . | 6 | . | - | 8 | $\ldots$ | 14 |
| Baltic Union. |  |  |  | . | $\cdots$ |  |  | $\cdot$ | $\cdots$ | $\because$ | $\cdots$ | $\cdots$ | $\cdots$ |  |  | . |  |  |
| Latvian Conference | 30 | 16:3 | 59 | 6 | 9 | 74 | 11 | 2 | $\cdots$ | 13 | 61 | 1734 | 10 | 2 | 5 | 5 | 65 | 87 |
| Esthonian " | 15 | 1080 | 42 | 16 | $\cdots$ | 58 | 7 | 1 | 6 | 14 | 44 | 1124 | 4 | 4 | . | 4 | 35 | 47 |
| Lithuanian Mission | 9 | 80 | 38 | 1 | 16 | 55 | 2 | 1 | 2 | 6 | 50 | 130 | 2 | 1 | $\cdots$ | 2 |  | 5 |
| Total | 54 | 2833 | 139 | 23 | 25 | 187 | 20 | 4 | 8 | 32 | 155 | 2988 | 16 | 7 | 5 | $11^{\prime}$ | 100 | 139 |
| British Union Conference |  |  | $\cdots$ |  | 18 |  |  | 2 | - |  | 30 |  | 4 | 4 | 1 | 1 |  | 10 |
| South England Conference | 28 | 1660 | 49 | 13 | 18 | 80 | 40 | 2 | 8 | 50 | 30 | 1690 | 9 | 4 | 12 | 4 | 20 | 49 |
| North England ." | 27 | 1395 | 15 | 5 | 11 | 29 | 30 | 10 | 20 | 60 | -31 | 1364 | 9 | 2 | 10 | 1 | 27 | 49 |
| Weish | 11 | 367 |  | 2 | 3 | 5 | 12 | $\cdots$ | 2 | 14 | -9 | 358 | 2 |  | 2 | 4 | 12 | 20 |
| Scottish | 6 | 202 | 36 | 5 | . | 41 | 8 | 3 | 6 | 17 | 24 | 226 | 2 | 2 | 3 | . | 8 | 15. |
| Irish Mission | 3 | 190 | 3 | . | . | 3 | 9 | 1 | 5 | 10 | -13 | 177 | 3 |  | 3 | 1 | 2 | 9 |
| Total | 76 | 3814 | 101 | 25 | 32 | 158 | 99 | 16 | 42 | 157 | 1 | 3815 | 29 | 12 | 31 | 11 | 69 | 102 |
| Central European Union ... | 28 |  | 11 | 6 | 29 |  | 24 | 4 | 22 |  | -4 | 1067 | 2 4 |  |  | 4 | 27 | 8 |
| German Swiss Conference | 28 | 1071 | 11 | 6 | 29 | 46 | 24 | 4 | 22 | 50 | -4 | 1067 | 4 | 2 | 6 |  | 27 | 39 |
| Wurtemberg " | 40 | 1311 | 31 | 4 | 25 | 61 | 20 | 3 | 36 | 59 | ${ }_{21}^{2}$ | 1313 769 | 5 | 2 | 6 | 1 | 13 | 27 |
| Baden | 10 | 731 | 25 | $\cdots$ | 18 | 43 | 11 | 2 | 19 | 22 | 16 | 1130 | 4 | 2 | 4 | 1 | 12 | 27 |
| North Bavarian | 19 | 1114 | 27 | 3 | 13 | 43 | 7 | 1 | 19 | 27 | 16 | 1130 | 5 | 2 | 6 | 1 | 13 | 27 |
| South Bavarian | 28 | 1478 | 73 | 3 | 29 | 105 | 9 | 1 | 38 | 48 | 57 | 1535 | 6 | 2 | 4 | 2 | 16 | 30 |
| Main-Neckar | 19 | 1139 | 40 | 10 | 42 | 92 | 10 | $\because$ | 35 | 45 | 47 | 1186 | 5 | 3 | 4. | 1 | 9 | 22 |
| Austrian | 17 | 712 | 13 | . | 21 | 34 | 19 * | 2 | 23 | 44 | -10 | 702 | 6 | 3 | 3 | 1 | 27 | 40 |
| Aibling School Church | 1 | 117 | . | $\cdots$ | 33 | 33 | . |  | 30 | 30 | 3 | 120 | 1 | . | $\cdots$ | 9 | $\ldots$ | 10 |
| Total | 168 | 7673 | 220 | 26 | 211 | 457 | 100 | 13 | 212 | 325 | 132 | 7805 | 38 | 17 | 33 | 20 | 118 | 226 |
| Czechoslovakian Union ......... |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 3 |  | 25 |
| Moravian-Silesian Conference | 25 | 813 | 17 | $\cdots$ | 14 | 39 22 20 | 8 | 4 | 15 | 32 25 | 7 -3 | 820 462 | 3 4 4 | 2 | 3 1 1 | 3 | 14 | 25 |
| North Bohemian " | 19 8 | 465 | -8 |  | 14 | 26 | 9 | . | 1989 | 12 | -3 | 163 | 2 | 2 | 1 | 3 | 15 | 21 |
| Central Bohemian Mission Slovakian Mission....... | 8 8 | 149 259 | 12 | $\stackrel{3}{3}$ | 10 | 18 | 5 | i | 5 | 12 | 14 7 | 266 | 2 | $\dot{2}$ | 2 | - | 14 | 20 |
| Total | 64 | 1686 | 42 | 3 | 60 | 105 | 25 | 6 | 49 | 80 | 25 | 1711 | 12 | 6 | 7 | 7 | 60 | 92 |
| East German Union |  |  | $\because$ |  |  | $\cdots$ | $\cdots$ |  | $\because$ |  |  | 1876 | 4 | 3 | 4 | 3 | 1 | 15 |
| Berlin Conference | 27 | 1869 | 35 | 9 | 11 | 55 | 13 | 5 | 30 | 48 | 7 | 1876 | 7 | 2 | 4 | 6 | 24 | 43 |
| Brandenburg " | 48 | 1736 | 47 | 9 | 37 | 93 | 22 | 2 | 28 | 52 | 41 | 1777 | 8 | \% | 3 | 4 | 16 | 36 |
| N E Saxonian " | 41 | 1758 | 48 | 3 | 16 | 67 | 17 | 9 | 21 | 47 | 20 | 1778 | 6 | 4 | 3 | 5 | 26 | 44 |
| East Prussian ", | 59 | 1884 | 40 | 2 | 8 | 50 | 22 | 7 | 12 | 41 | 9 | 1893 | 9 | 1 | 3 | 3 | 27 | 4.3 |
| Pomeranian | 40 | 1347 | 54 | 8 | 17 | 79 | 15 | 10 | 13 | 38 | 41 | 1388 | 7 | 2 | 4 | 4 | 13 | 30 |
| West Saxonian | 49 | 1874 | 83 | 4 | 4 | 91 | 7 | 3 |  | 16 | 75 | 1949 | 6 | 4 | 3 | 9 | 47 | 69 |
| Silesian " | 59 | 2098 | 51 | 15 | 6 | 72 | 22 | 40 | 18 | 80 | -8 | 2090 | 9 | 4 | 3 | 6 | 43 | 65 |
| Total | 323 | 12566 | 358 | 50 | 99 | 507 | 118 | 76 | 128 | 322 | 185 | 12751 | 56 | 25 | 27 | 40 | 197 | 345 |
| Latin Union |  |  | $\cdot$ | $\cdots$ | $\cdots$ |  | $\ldots$ |  | . | . | $\ldots$ |  | 6 | 3 | , | 2 |  | 11 |
| - Leman Conference | 16 | 863. | 7 | $\cdots$ | 13 | $20^{\circ}$ | 17 | 3 | 13 | 33 | -13 | 850 | 5 | 1 | 9 | . | 9 | 24 |
| French | 23 | 645 | 8 | 3 | 49 | 60 | 8 | 6 | 19 | 33 | 27 | 672 | 7 | 3 | 7 | 2 | 3 | 22 |
| Alsace " | 10 | 332 | 3 | 3 | 13 | 19 | 15 | 1 | 26 | 42 | -23 | 309 | 6 | . | 6 | . | 6 | 18 |
| Belgian " | 6 | 352 | 2 | 3 | . | 5 | , | 2 | 11 | 17 | -1.2 | 340 | 5 | $\because$ | 3 | 1 | 4 | 13 |
| Italian Mission | 10 | 232 | 1 | . 2 | . | 3 | 4 | . | 2 | 6 | -3 | 229 | 2 | 5 | 5 |  | 16 | 28 |
| Spanish ", | . 5 | 191 | 1 | $\cdots$ | $\cdots$ | 1 | ; | . | . | $\because$ | 1 | 192 | 3 | 4 | 3 | 1 | 6 | 17 10 |
| Portuguese " | 3 | 178 | 6 | 1 | 1 | 8 | 7 | . | - | 7 | 1 | 179 | 2 | 2 | 2 | 1 | 3 | 10 6 |
| Algerian Mission . . . . . . . . . . . . . | 4 | 76 | $\cdots$ | $\cdots$ | 1 | 1 |  | - | 1 | 1 |  | 76 | 1 | 2 | 3 | . | $\ldots$ |  |
| Total | 77 | 2869 | 28 | 12 | 77 | 117 | 55 | 12 | 72 | 139 | $-22$ | 2847 | 37 | 20 | 38 | 7 | 47 | 149 |

* Includes \$9826.- omitted from 3rd quarter.

CONFERENCE OF S. D. A. FOR THE QUARTER ENDING DECEMBER 31, 1923.


## STATISTICAL REPORT OF THE EUROPEAN DIVISION OF THE GENERAL



## Our Statistical Report.

We are glad to be able to present in the issue of this Quarterly the reports for the fourth quarter and also for the whole year of 1923. The following remarks may serve as a guiding note and to call attention to some of the salient facts as revealed in this mass of figures.

## The Quarterly Report.

So far as the gain in membership is concerned, the figures reported, viz. 1763, fall short of the number given in the third quarter, which was 2272. The four quarters of the year compare as. follows:

1. Quarter of 1923 . . . . 1095
2. Quarter do. . . . . 1061

CONFERENCE OF S. D. A. FOR THE QUARTER ENDING DECEMBER 31, 1923.

| 关 |  |  |  |  |  |  |  | $\begin{aligned} & \text { No of Sabbath- } \\ & \text { Schools } \end{aligned}$ |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
| $\begin{array}{cr} \text { PM } & 931703700 . \\ " & 1036615506 .- \\ " & 883672793 .- \end{array}$ | 2884531. 2258421. 2155299.- | 80017695. $384642081 .-$ $291672945 .-$ | 83332780. $169289800 .-$ 94543635 | 1734831. 1206387. 230594. | $\because$ $\cdots$ $\cdots$ | $\begin{array}{r}208108653.50 \\ 52675260 . \\ 6907565 . \\ \hline\end{array}$ | $\begin{aligned} & 431873000 . \\ & 295427000 . \\ & 143483000 . \end{aligned}$ | 17 14 14 20 | 261 445 428 | 197 374 344 |
| $\underset{\$}{\mathrm{PM}} \underset{\$}{2851991099 .-}$ | $\begin{array}{r} 2392694 .- \\ 0.42 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1476332721 .- \\ 266.08 \end{array}$ | 347166215.-- | $1529780 .-$ 0.27 | $\therefore$ | 329859568.50 $165 .-$ | $870783500 .-$ 635.06 | 51 | 1134 | 915 |
| Lei .$\quad 520212.85$ <br> $"$ 269506.8 a <br> $"$ 223517.96 <br>  49141.08 | $\begin{aligned} & 354.60 \\ & 20859 \\ & 159.88 \\ & 130.34 \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 7848.00 \\ 137675.75 \\ 46466.60 \\ 62809.70 \\ 4628.95 \end{array}$ | 61042.20 29242.35 24302.07 5775.80 | $\begin{array}{r} 13 \mathrm{5} .45 \\ 58.69 \\ 62.31 \\ 27.69 \end{array}$ | $\because$ $\cdots$ $\cdots$ $\cdots$ | 345546.35 107837.60 141650.80 24847.70 | 104781.00 $\cdots 11450.00$ 5415.00 | $\begin{aligned} & 40 \\ & 45 \\ & 70 \\ & 20 \end{aligned}$ | 1634 <br> 1443 <br> 1409 <br> 370 | $\begin{array}{r} 1524 \\ 1292 \\ 1339 \\ 245 \end{array}$ |
| $\begin{array}{cr} \text { Lei } & 1062378.74 \\ \$ & 5798.08 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 234.31 \\ 1.27 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 259423.00 \\ 1415.09 \end{array}$ | 120362.42 656.50 | $\begin{array}{r} 83.76 \\ 0.45 \end{array}$ | $\cdots$ | 619882.45 2718.78 | 81596.00 357.88 | 175 | 4856 | 4400 |
| S. Kr 22557.72 <br> D. Kr 6881055 <br> N. Kr 51793.28 <br> S. Kr 22375.57 <br> F. Mk 123874.40 | 18.9 28.97 25.21 15.81 115.88 | 343006.29 33131.09 14410.71 103081.95 | 12411.76 10043.25 4776.61 14691.52 | 19.78 19.78 13.60 110.98 | $\begin{array}{r} \because 7 . .8 \\ 156.37 \\ 46.00 \\ 867.50 \end{array}$ | . $\quad$. $\cdots$ $\cdots$ $\cdots$ $\ldots$ | 36452.08 52191.26 17784.12 162592.00 | 768 68 65 83 63 | 193 1933 1363 1127 820 | 1307 878 1015 583 |
| \$ 30312.80 | 4.38 | 17712.66 | 5404.33 | 3.36 | 103.13 | . . $\cdot$ | 23316.20 | 269 | 5243 | 3723 |
| RM. 9277.68 | - |  |  |  | $\cdots$ |  |  |  |  | . . . |
| R, 8427.60 | 5.04 | 4781.92 | 1438.98 1463.75 | 4.90 4.06 | $\cdots$ | 4080 | 5400.68 6073.26 | 46 | 1781 | 1083 |
| ", 7520.72 | 5.57 | 3746.67 | 1196.59 | 3.66 |  | 381.04 | 8458.55 | 42 | 1471 | 944 |
| 15840.48 | 9.21 | 6317.87 | 1465.09 | 4.53 |  |  | 14508.70 | 42 | 2172 | 1658 |
| 7670.06 | 3.84 | 3355.31 | 965.27 | 2.43 |  | 389.33 | 5265.04 | 58 | 1859 | 1273 |
| $\begin{array}{ll} \text { H. } f l & 7344.81 \\ \text { F. Fr. } & 6543.05 \end{array}$ | 17.08 | 4082.92 4263.00 | 90201 1312.80 | 12.63 | . |  | 11221.78 | 23 | 518 | 373 |
| \$ 17455.30 | 1.66 | 8804.29 | 2112.54 | 104 | . | 280.10 | 24519.04 |  | 9281 | 6272 |
| $\begin{array}{lr} \text { Lewa } & 49216.40 \\ \$ & 358.00 \end{array}$ | 30569 2.22 | 22496.45 163.63 | 7086.97 51.59 | 183.75 1.33 | $\cdots$ | . | 16618.00 131.89 | 8 | 156 | 123 |
| $\begin{array}{cr} \mathrm{HKr} & 33 ธ 89980 .- \\ 154!.50 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 36235 \\ 1.66 \end{array}$ | 27162420.00 1205.01 | $\begin{array}{r} 2531622.00 \\ 102.00 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 10590.35 \\ 1.40 \end{array}$ | $\cdots$ | 3170000.00 166.84 | $\begin{array}{r} 39241499.00 \\ 2308.32 \end{array}$ | 37 | 833 | 699 |
| $\begin{array}{cr}\text { Dinar } & 86843.23 \\ \$ & 1808.90\end{array}$ | 15182 211 | 45701.85 550.00 | 6802.25 98.55 | 91.79 1.13 | .. | 12900.00 187.00 | 205157.83 2396.00 | 94 | 648 | 805 |

3. Quarter of 1923
3206
4. Quarter do.
2797

Touching the finances, it is very encouraging to note that our receipts for the fourth quarter are larger than in the previous quarters which, in part, is due to the stabilization of the German currency.

It should be noted that the money is reported on the basis of the monthly statements made to the Treasury rather than at a specific rate of exchange. In the case of the mission fields, the financial reports will always appear a quarter later owing to the long distance and the delay occasioned by the mail. Thus the figures for the fourth quarter will be given in the next report.

${ }^{*}$ ) Report ior the third quarter. $\dagger$ ) Baptized in April 1923. **) Report for the third quarter 1923.
RECAPITULATION FOR QUARTER

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1. European Division |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 6 |  |  | 8 |  | 14 |
| 2. Baitic Union . . . | 54 | 2833 | 139 | 23 | 25 | 187 | 20 | 4 | 8 | 32 | 155 | 2988 | 16 | 7 | 5 | 11 | 100 | 139 |
| 3. British Union Conference | 75 | 3814 | 101 | 25 | 32 | 158 | 99 | 16 | 42 | 157 | , | 3815 | 29 | 12 | 31 | 11 | 69 | 152 |
| 4. Central European Union . | 168 | 7673 | 220 | 26 | 211 | 457 | 100 | 13 | 212 | 325 | 132 | 7805 | 38 | 17 | 33 | 20 | 118 | 226 |
| 5. Czechoslovakian Union. | 64 | 1686 | 42 | 3 | 60 | 105 | 25 | 6 | 49 | 80 | 25 | 1711 | 12 | 6 | 7 | 7 | 60 | 92 |
| 6. East German Union . | 323 | 12566 | 358 | 50 | 99 | 507 | 118 | 76 | 128 | 322 | 185 | 12751 | 56 | 25 | 27 | 40 | 197 | 345 |
| 7. Latin Union Conference | 77 | 2869 | 28 | 12 | 77. | 117 | 55 | 12 | 72 | 139 | -22 | 2847 | 37 | 20 | 38 | 7 | 47 | 149 |
| 8. Polish Union Conference. | 51. | 1190 | 29 | 17 | 27 | 73 | 20 | 5 | 46 | 71 | 2 | 1192 | 7 | 7 | 11 | 2 | 16 | 43 |
| 9. Romanian Union Conf. . | 166 | 4310 | 234 | 19 | 272 | 525. | 31 | 11. | 259 | 301 | 224 | 4534 | 12 | 2 | 20 | 24 | 34 | 92 |
| 10. Scandinavian Union. | 158 | 6875 | 93 | 17 | 18 | 128 | 37 | 22 | 31 | 90 | 38 | 6913 | 28 | 18 | 34 | 9 | 95 | 184 |
| 11. West German Union | 254 | 10181 | 373. | 35 | 227 | 635 | 167 | 25 | 162 | 335 | 280 | 10461 | 42 | 17 | 13 | 28 | 104 | 204 |
| 12. Bulgarian Mission | 8 | 151 | 9 |  | 2 | 11. |  | 1 |  |  | 10 | 161 | 3 |  | 1 | . | 5 | 9 |
| 13. Hungarian Conference | 37 | 904 | 35 |  | 2 | 42 | 15 | 3 | 1 | 19 | 23 | 927 | 4 | 4 | 7 | 3 | 32 | 50 |
| 14. Jugoslavian Mission . | 43 | 551 | 21 | 1 |  | 22. | 1 |  |  | 1 | 21 | 572 | , | 1 | 8 | 1 | 28 | 42 |
| 15. Missions . . . . | 52 | 2022 | 129 | 7 | 5 | 137 | 10 | 10 | 30 | 50 | 87 | 2109 | 27 | 17 | 35 | 40 | 8 | 127 |
| 16 Russian Unions**) . . . | 397. | 9917 | 653 | 97 |  | 750 | . |  | .. | 148 | 602 | 10519 |  | . | . | . . | . | 106 |
| Corrections (too many rep. for Kenya) |  | (8) |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Grand To'ls 4th. Q. 1923 | 1927 | 67542 | 2464 | 333 | 3057 | 3854 | 698 | 205 | 1040 | 2091 | 1763 | 69305 | 321 | 153 | 270 | 211 | 914 | 1974 |
| Grand To'ls 3rd Q. 1923 | 1893 | 65278 | 3158 | 348 | 759 | 4265 | 539 | 163 | 937 | 1993 | 2272 | 67550 | 321 | 143 | 258 | 239 | 971 | 2041 |
| Grand To'is 2 nd Q 1923 | 1832 | 63512 | 2604 | 358 | 703 | 3665 | 570 | 165 | 789 | 1893 | 1772 | 65284 | 304 | 148 | 245 | 234 | 982 | 2021 |
| Grand To'ls 1 st Q. 1923 | 1816 | 62719 | 1812 | 292 | 803 | 2907 | 593 | 154 | 852 | 2115 | 792 | 63511 | 309 | 170 | 233 | 223 | 910 | 1952 |

CONFERENCE OF S. D. A. FOR THE QUARTER ENDING DECEMBER 31; 1923.


ENDING DECEMBER 31, 1923.

| 20 |  | 21. | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| \$ | 2633.16 |  | 60582 |  |  |  |  |  |  |  |  |
| " | 476580 | 1.60 | 1915.92 | 79321 | 0.90 |  |  | 5549.17 | 211 | 2930 | 2148 |
| ", | 24553.50 | 6.43 | 22998.78 | 529134 | 742 | 4.65 |  | 2201834 | 122 | 4117 | 3262 |
| " | 15669.40 | 2.00 | 10367.51 | 1883.67 | 1.57 | 6.03 | 185200 | 13575.59 | 168 | 7404 | 5130 |
| " | 4234.60 | 2.47 | 1973.09 | 63488 | 1.52 |  | 24042 | 4260.26 | 64 | - 1.529 | : 1220 |
| " | 1565510 | 122 | 8857.91 | 160836 | 0.82 |  | 442.72 | 2013139 | 323 | 13292 | 9610 |
| ," | 22589.60 | 4.48 | 1581244 | 239194 | 640 | .... |  | 7147.14 | 106 | 2578 | 2151 |
| " | 511.40 | 0.42 | 266.08 | 62.75 | 0.27 |  | 165.00 | 635.06 | 51 | 1134 | 915 |
| " | 5798.80 | 1.27 | 141509 | 656.50 | 0.45 |  | 2718.78 | 357.88 | 175 | 4856 | 4400 |
| " | 30312.80 | 4.38 | 17712.56 | 5404.33 | 336 | 103,13 |  | 2334620 | 269 | 5243 | 3723 |
| " | $\pm 7455.30$ | 166 | 880429 | 211254 | 1.04 |  | 280.10 | 24519.04 | 254 | 9281 | 6272 |
| " | 358.00 | 2.22 | 163.63 | 5159 | 1.33 |  |  | 131.89 | 8 | 156 | 123 |
| " | 1541.50 | 1.66 | 1205.01 | 102.00 | 1.40 |  | 166.84 | 2308.32 | 37 | 833 | 699 |
| , | 120890 | 211 | 550.00 | 9855 | 1.13 |  | 187.00 | 2396.00 | 94 | 648 | 605 |
| " | 2340.75 | 110 | 8546 | 142.19 | 018 | 2.20 |  | 235.00 | 164 | 6167 | 6356 |
| '" | 9033.40 | 0.85 | 209.77 | 57959 | 0.07 |  |  |  | 420 | 12000 | 0300 |
| \$ | . 158662.01 | 2.20 | 92943.36 | 21813.44 | 1.65 | 11601 | 6052.85 | 12661128 | 2365 | 72168 | 56914 |
| \$ | 82798.46 | 1.22 | 2541794 | 17831.60 | 068 | 2878.04 | 2237.93 | 29314871 | 2266 | 65661 | 51699 |
| " | 104679.70 | 159 | 21023.32 | 18526.95 | 0.61 | 16838 | 72512 | 248870.26 | 2163 | 61375 | 48560 |
| " | 125114.39 | 1.96 | . 14107.85 | 1926077 | 0.53 | 23314 | 1207.51 | 186592.59 | 2131 | 61513 | 48073 |


|  |  | 0 30 0 0 0 0 0 0 0 0 |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | Aduit Y.P. | Adult Y.P. | Aduit Y.P. | Adult Y.P. | Adult Y.P. | Adult Y.P. | Adult Y.P. |
| Baltic Union | 2988 | 1922399 | 2393 751 | 241196 | 133112 | 17252 | 65 \%o 1760 | $885 \quad 220$ |
| British Union Confer. | 3815 | 1329 336 | 514631204 | 2774 3244 | 1631669 | ... ... | 7880830385 | 111023771 |
| Bulgarian Mission . . | 161 | $45 \quad \cdots$ | 67 … | $8 \quad \ldots$ | $\ldots$... | 2 | $1030 \quad 345$ | 15 |
| Central Europ. Union ${ }^{1}$ ) | 7805 | 22465 3261 | 279173655 | $3252 \quad 792$ | 1666358 | $\cdots$ | 15460341780 | 137971986 |
| Czechoslovakian Union | 1711 | 77051389 | $6926{ }^{6} 1143$ | ${ }_{0} 33$ 115 | $291 \quad 54$ | 65. 11 | 132531506 | $437 \quad 86$ |
| East German Union . | 12751 | 18072361.6 | 123162970 | 1885 | $573 \quad 247$ | 41 | 168388 309908 | 1716 414 |
| Hungarian Conference. | - 927 | 77423833 | 53742805 | 304303 | 27058 | $\cdots$... | 420304 | 129 ¢ |
| Iceland Mission ${ }^{2}$ ). . . | 175 | 110 | 312 | 68 | 38 ... | 19 | 881 | 338 |
| Jugoslavian Mission. . | 572 | 6874 . 6 | 7062 ... | 530 ... | 65 . $\quad$. | ... 107 | 780 | $\ldots$ |
| Latin Union Confer ${ }^{\text {a }}$ ) . | 2847 | $4912 \quad 669$ | 70251025 | 1367530 | $668 \quad 286$ | $758 \quad 107$ | 139095469 | 98056 |
| Mauritius Mission ${ }^{4}$ ) . . | 161 | ,.. 37 | … 12 | $\therefore \ldots$ | $\cdots$ | ... ... | ‥ 13 | $\cdots \cdots$ |
| Polish Union Confer. | 1192 | $2331-439$ | 1843 4 427 | $100 \quad 51$ | $48 \quad 17$ | $\ldots$ | 4543 2146 | $21 \quad 10$ |
| Rumanian Union Conf. | 4534 | 12701 465. | 7655120 | 689 26 | $440 \quad 21$ | 580260 | 8639525 | 1960 22 |
| Scandinav. Union Conf. | 6913 | 1438 93 | 2913275 | $1.065 \quad 147$ | $547 \quad 72$ | 7405 | 782496058 | 58894455 |
| West German U. Conf. | 10461 | $8892 \quad 2589$ | $15069 \quad 4163$ | 897193 | 384124 | 4420 | 116945 27238 | 605.60 |
|  |  | 9653617126 | 10201718550 | 132134158 | 66592045 | 7633255 | 647023153377 | 13546210974 |
|  |  | 113662 | 120567 | 17371 | 3704 | 7888 | 800400 | 146456 |
| Grand Totals 3rd Qtr. |  | $82465 \quad 21080$ | 7684927384 | 838383246 | 43101648 | 1062948 | 426195112649 | 292004521 |
|  |  | -103545 | 104233 | 11629 | 5958 | 2010 | 538824 | 33721 |
| Grand Totals 2nd Qtr". |  | 7222613757 | $\begin{array}{lll}84434 & 17429\end{array}$ | $10317 \quad 2760$ | 49661267 | 3184406 | 27859780542 | 27555 5324 |
|  |  | 85983 | 101863 | 13077 | 6234 | 3590 | 359139 | 32879 |
| Grand Totals 1 st Qtr . |  | $76416{ }^{7} 12934$ | 8064418958 | 72012575 | 35141172 | 1746180 | $404761 \quad 198501$ | 304678535 |
|  |  | 89350 | 99602 | 9776 | 4686 | 1926 | 603262 | 37002 |

${ }^{1}$ ) Report for the third and fourth quarters.
${ }^{2}$ ) Includes H. M. and Y. P. report.
${ }^{3}$ ) H. M. Report for the third and fourth quarters. ${ }^{4}$ ) Y. P. Report only.

Report from the HOME MISSIONARY

${ }^{1}$ ) Fourth Quarter only.

DEPARTMENT for the FOURTH QUARTER 1923.

| $\begin{aligned} & \frac{3}{0} \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & E \end{aligned}$ |  | $\begin{aligned} & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \end{aligned}$ |  |  | Visits to Sicks | $\begin{aligned} & 5 \\ & 0 \\ & 3 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \end{aligned}$ |  | $\stackrel{0}{8}$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Adult Y.P. | Adult Y.P. | Adult Y.P. | Adult Y.P. | Aduit Y.P. | Aduit Y.P. | Adult Y.P. | both |  |
| 1312368 | 14375 | 1967484 | 28764 | 19143 | $\cdots$ | 7 ... |  | $\ldots$ |
| 63098 | 220196106 | 2886895 | 1643502 | 578148 | 583 ... | $14 \quad 23$ | £ 1.15.0 | 7.96 |
| 700180 | $\cdots$ | $\cdots$ | $\ldots$ | $\ldots$ | $\cdots$ | 9 ... |  | .... |
| $24667 \quad 3109$ | 3727485 | 133815 | 167269 | 2027 | 1976264 | 11426 |  | ...... |
| $8040 \quad 700$ | 1060 - | ... ... | $\ldots$... | $\cdots \quad .$. | $\cdots$ | ... 2 | Kč. 8294.36 | 240.41 |
| 37941087 | 51210 | 33346 | $131 \quad 11$ | 24483 | 1064 472 | 8346 |  | ...... |
| 259 172 | $5 \quad 4$ | 2472350 | 3106 | ... ... | 143 26 | 1510 | H.Kt 3170000.00 | 168.61 |
| 200 | $\cdots$ | 3 ... | 10 ... | $\cdots$ | .. ... | $\cdots$... | Icel. Kr. 10.00 | 1.48 |
| 9989 ... | $\cdots$ | ... | $\ldots$ | ... ... | ... | ... ... | Din. 350c.00 | 0.40 |
| 1229507 | 2152 | 1070 \% 28 | 1315 ... | 98255 | ... ... | 10 | Fr. 1354.17 | 24.81 |
| $\cdots 5$ | $\cdots \quad \cdots$ | $\cdots$ | $\cdots$ | 2 | ... ... | ... ... | Rs. 2.25 | 068 |
| 11498 226 | $86 \quad 100$ | 13 ... | ... ... | ... ... | ... ... | ... ... | Pmk. 595898.00 | 0.25 |
| 34746 | 30734 | ... 32 | $\cdots{ }^{\text {... }}$. | $\cdots$... | $\cdots$ | $\cdots$ |  | ...... |
| 87873170 | 39351855 | 146998 | $740 \quad 97$ | $452 \quad 23$ | $1761 \quad 76$ | $25 \quad 13$ | Kr. 1381.99 | 246.78 |
| 4566551 | 3517 | 41513 | 5715 | 10733 | 1124149 | 5221 | Rm. 154.15 | 86.70 |
| $110410 \quad 10617$ | 370638651 | $11156 \quad 2276$ | 5858864 | 2856394 | 7151987 | 329141 |  | 945.08 |
| 121027 | 45714 | 14242 | 6722 | 3250 | 8138 | 470 |  |  |
| 89176185 52 | 532585001 | 90512917 | 3929 ธ95 | 2314651 | 4286480 | $281 \quad 117$ |  | 1080.84 |
| 107728 | 58259 | 11968 | 4524 | 2965 | 4766 | 398 |  |  |
| 34321925282 | 4788616023 | 155561299 | 47341320 | 4295445 | 1768281 | 30278 |  | 325.83 |
| 368501 | 63909 | 16855 | 6054 | 4740 | 2049 | 380 |  |  |
| $145140 \quad 25519$ | 2353913831 | 72591592 | 31381048 | 692631 | 3407619 | 345155 |  | 533.49 |
| 169659 | 37370 | 8851 | 4186 | 1323 | 4026 | 500 |  |  |

DEPARTEMENT for the YEAR 1923.


[^0]Report of Colporteur Work for the Year 1923.



[^1]RECAPITULATION FOR YEAR

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1. European Division |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 6 |  |  | $8 \text { l }$ |  | 14. |
| 2. Baltic Union | 54 | 2833 | 139 | 23 | 25 | 187 | 20 | 4 | 8 | 32 | 155 | 2988 | 16 | 7 | $\stackrel{\square}{5}$ | 11 | 100 | 139 |
| 3. British Union | 75 | 3672 | 311 | 60 | 132 | 503 | 172 | 53 | 135 | 360 | 143 | 3815 | 29. | 12 | 31 | 11 | 69 | 152 |
| 4. Central European Union | 168 | 7274 | 1062 | 74 | 639 | 1775 | 365 | 82 | 797 | 1244 | 531 | 7805 | 38 | 17 | 33 | 20 | 118 | 226 |
| 3. Czechoslovakian Union | ${ }^{64} 4$ | - 1563 | $\begin{array}{r}227 \\ 1580 \\ \hline\end{array}$ | 156 | 197 414 | 434 | ${ }_{4}^{95}$ | 23 | 167 | 286 | 148 | 1711 | 12 | 6 | 7 | 7 | 60 | 92 |
| 7. Latin Union Conference | 323 7 | ${ }_{2} 11831$ | ${ }_{3} 31$ | 155 | 414 | $\begin{array}{r}2150 \\ 538 \\ \hline\end{array}$ | ${ }^{444}$ | 203 | 584 | 1231 | 919 | 12751 | 56 | 25 | 27 | 40 | 197 | 345 |
| 8. Polish Union Conference | 51 | 1055 | 149 | 65 | 238 | 452 | 77 | 15 | 223 | 315 | ${ }_{137} 118$ | 1192 | $\begin{gathered} 37 \\ 7 \end{gathered}$ | 20 | 11 | 2 | 47 | 149 |
| 9. Rumanian Union | 166 | 3795 | 921 | 80 | 801 | 1802 | 194 | 45. | 824 | 8063 | 739 | 4534 | 12 | 2 | 20 | 24 | 34 | 43 92 |
| 10. Scandinavian Union. | 158 | 63:6 | 824 | 158 | 134 | 1116 | 296 | 106 | 187 | 589 | 527 | 6913 | 28 | 18 | 34 | 9 | 95 | 184 |
| 11. West German Union | 254 | 9309 | 1554 | 113 | 519 | 2186 | 517 | 86 | 431 | 10341 | 1152 | 10461 | 42 | 17. | 13 | 28 | 104 | 204 |
| 12. Bulgarian Mission | 8 | 123 | 40 |  | 7 | 47 |  | 1. | 8. |  | 38 | 161 | 3 |  | 1 |  |  |  |
| 13. Hungarian Conference | 37 | 813 | 149 | 19 | 9 | 177 | 52 | 6 | 5 | 63 | 114 | 927 | 4 | 4 | 7 |  | 32 | 50 |
| 14. Jugoslavian Mission | 43 | 437 | 150 | 1 |  | 158 | 21 | 1 | 1 | 23 | 135 | 572 |  | $1{ }^{1}$ | 8 |  | 28 | 42 |
| 15. Missions . | 52 | 1914 | 353 | 11 | 25 | 389 | 31 | 22 | 81 | 194 | 195 | 2109 | 27 | 17 | 35 | 40 | 8 | 127 |
| 16. Russian Unions*) | 397 | 9069 | 2278 | 499 | . | 2777 |  |  |  | 1327 | 1450 | 10519 |  |  |  |  |  | 106 |
| Grand To'is for Year 1923 | 927 | 62706 | 10038 | 1331 | 3322 | 14691 | 2400 | 687 | 3618 | 8092 | 6599 | 69365 | 321 | 153 | 270 | 211 | 913 | 1947 |
| Grand To'ls for Year 1922 | 1755 | 58635 | 7401 | 874 | 2637 | 10912 | 2726 | 714 | 2867 | 6716 | 4196 | 62831 | 306 | 160 | 210 | 232 | 1012 | 2018 |

*) Includes 4th quarter 1922 and the first three quarters for 1923.

For the first time we have a report of the newly organized Baltic Union. The membership of the East German Union and Scandinavian Union conierences has therefore been reduced correspondingly, as Lithuania of the former, and the Latvian and Esthonnian conferences of the latter, have been separated from those fields to make up this union.

In the Russian report, which is that of the third quarter, the Siberian Union is also represented. It is worthy of note that, during a period of the last two years and nine months, the membership in Russia has increased from 6842 to 10519 which is a net gain of 3677 souls, or $53 \%$, in spite of all the difficulties obtaining in that country.

## The Annual Report.

The year 1923 marks a signal progress in the work of the Division when compared with previous years. Our net gain has been 6599 with an addition in baptism and vote of 11369 during the year against 8275 in 1922 which is an increase of 3094. Thus our membership has now reached 69,305.

It should be noted in this connection that the figures given for our foreign missions are now based on the correct reports sent in from the fields, whereas in the year 1922 our membership there had been estimated at 1500 . The difference of 112 members has been adjusted in the report. All other minor corrections will be seen from the special notes in the body of the report.

Also financially we have a better showing in 1923 than the year before as will be seen from these figures:

|  | 1923 | 1922 |
| :--- | :---: | :---: |
| Tithes | $\$ 471,254.56$ | $\$ 426,354.47$ |
| Offerings | $\$ 230,925.24$ | $\$ 201,539.75$ |

This certainly is occasion for gratitude.
For the first time we publish a report also for the Publishing Department giving the figures reported by our canvassers. This covers the whole year. In the previous reports for the quarters we had given, under column 27, the returns only of the book-sales and, in the recapitulation, their value in dollars. It will be noticed that, under column 27 of our general report, the amount of $\$ 855,222.84$ there given does not agree with any of the figures appearing in the special report of the department. This is explained from the fact that, in the first three quarters of 1923, the figures were given as expressed in the value of the books (the last column but one in the special report, the first figures in dollars). According to the resolution passed by the Division Committee at its last session in England, the figures for the fourth quarter are calculated on the basis of the average rate of exchange (the last column in the special report). This will account for the two dollar rates given in the canvassers' report: the first column applies to the value of the books at pre-war rates while the latter refers to the actual returns in local currencies transposed into dollars monthly at the average rate of Missionary Zeal exchange.
E. Borm.

## Correction.

In the third quarter's report, page 4, West German Union, Hansa Conference,

|  | columns | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | :--- |

ENDING DECEMBER 1923.

|  | 20 | 21 | 22 | $3 \%$ | 24 | 25 | 26 | 27 | 29 | 29. | 30 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| \$ | 2633.16 |  | 605.82 |  |  |  |  |  |  |  |  |
| " | 476580 | 1.60 | 1915.92 | 793.21 | 0.90 |  |  | 5549.17 | 211 | 2930 | 2148 |
| " | 99730.16 | 26.14 | 3823099 | - 2089972 | 15.54 | 178.94 |  | 102557.04 | 172 | 4117 | 3262 |
| " | . 39052.40 | 500 | 1607580 | 491019 | 2.72 | 253.57 | 3262.69 | 11795029 | 168 | 7404 | 5130 |
| " | 1689579 | 9.87 | 4331.06 | 2574.70 | 4.04 | 815 | 1414.70 | 2291277 | 64 | 1529 | 1220 |
| " | 26341.19 | 2.06 | 13243.35 | 1916.83 | 277 | 3.54 | 957.08 | 9267687 | 323 | 13292 | 9610 |
| " | 49288.61 | 17.31 | 21032.34 | 9402.92 | 10.74 | 163.15 |  | 61606.91 | 106 | 2578 | 2151 |
| " | 272766 | 2.29 | 528.94 | 263.50 | 0.71 |  | 32805 | 21271.61 | 51 | 1134 | 915 |
| " | 1648092 | 3.63 | 317144 | 183407 | 1.10 |  | 2718.78 | 7725.76 | 175 | 4856 | 4400 |
| " | 124912.59 | 18.06 | 36487.41 | 24990.40 | 9.28 | 2683.55 |  | 232335.45 | 269 | 5243 | 3723 |
| " | 36349.74 | 347 | 1124212 | 3769.48 | 1.43 | 41.92 | 893.58 | 132541.10 | 254 | 9281 | 6272 |
| " | 1525.63 | 9.47 | 436.34 | 17088 | 3.77 |  |  | 155.54 | 8 | 156 | 123 |
| " | 3171.46 | 3.42 | 1452.14 | 229.82 | 181 | $\cdots$ | 18946 | 46001.62 | 37 | 833 | 699 |
| " | 332623 | 5.81 | 882.70 | 32270 | 2.10 |  | 378.80 | 11703.71 | 94 | 648 | 605 |
| " | 13463.46 | 6.34 | 134927 | 2670.63 | 1.95 | 62.75 | 80.25 | 235.00 | 164 | 6167 | 6356 |
| " | 30589.76 | 2.91 | 2506.83 | 2683.72 | 0.50 |  |  |  | 420 | 12000 | 10300 |
| \$ | 471254.56 | 679 | 15349247 | 77432.77 | 3.67 | 3395.57 | 10223.42 | 855222.84 | 2456 | 72168 | 56914 |
| \$ | 426354.47 | 6.97 | 13440397 | 67135.78 | 3.38 | . ${ }^{\text {a }}$ |  | 431620.13 | 2013 | 58442 | 45206 |

## Our Work in Russia During 1923.

We have again completed another year of toil and affliction of various kinds yet rich in
kept us very busy so that comparatively little time could be devoted to the actual preaching of the gospel.

This has naturally had some paralyzing


Bro. Kraus
Bro. Tkatschenko. Sister Anderson
Bro. Raus Bro. Lwow Bro. H. J. Loebsack Bro. Paul Swiridow Bro.Jaugen
The Committee of the West Russian Union with H. J. Loebsack, President of the work in Russia, in the centre.
blessings and success. Winding up the work from the days of the famine, registering our churches and union conferences which is quite a novelty for
the religious organizations and the state alike, has effect on the spiritual growth of the work and the development of our financial resources. But in

Report for the Quarter Ending September 31, 1923.

spite of it all the Lord has blessed us beyond the fondest expectations. Though the returns for the fourth quarter are not yet available we may confidently say, on the basis of the past nine months, that 1923 will be the very best year in the history of our work in Russia both in the matter of our harvest of souls and from the financial viewpoint.

Starting with 379 churches and 9117 members and 107 workers in January we find that, by the end of September, we had 397 churches and a membership of 10,519 which is a net increase of 1402 during these three quarters with no additions to the force of our working staff.

During the year of 1922 we have received 1757 persons into church fellowship and a comparison with the three quarters of 1923 reveals this interesting growth: first quarter, 226: second quarter, 1136 and in the third quarter 750 , or a total for that period of 2112 additions.

Looking back into the history of our early days we find that it took fully 20 years to gather in a fruitage of 2045 souls which, in fact, is even less by 67 than what we haye now gained in nine months of this year. Our gains would have been larger but for our rigorous application of the principle of working for quality rather than quantity. We warn all our workers to accept none who is not well grounded in the message as revealed in the Scriptures.

And this has been accomplished in such a short time in Russia without such means as training schools, sanitariums, publishing houses and the like afforded other fields, in a country where, according to the opinion of the people abroad the Most High appears dethroned and where His faithful ones appear to be deprived of the privilege of worshipping Him according to the dictates of their conscience. Nay, the Lord has happily not yet vacated His throne. True faith has not yet suffered harm in our great republic but we are enjoying on the contrary the advantages coming to us from the complete separation of the church and state.

With but one exception all our evangelistic efforts could be carried on ummolested in the villages and cities, in our homes and places of worship. All our workers were permitted to continue their work throughout, excepting one who has meanwhile also been liberated. By scores of legal documents and other means the message has forged its way into district offices and from there made its round to the ministry of justice, to the central authorities of the People's Commissariat and the highest officials of the state. Until this moment we have received very kind consideration and have found "favour with God and man."

So far as our finances are concerned we shall be able to report only at the end of the year

When we shall turn over the figures into gold rubles. Though our wages have not reached one half of pre-war times yet we were obliged to get along with them in these "troublous times," and it is certainiy a gratifying fact that not a single worker has left his post of duty.

Reviewing the work of this past year we have abundant reason to thank God for His help and tender mercies, also for the confidence of our loyal people and the faithfulness of our workers throughout the field.

From Mount Ararat to the Polar Sea, from the river Amur in the extreme east to the borders of Poland in the west, the Lord has impressed His seal upon the work of the third angel's message. We are grateful to Him for His stately steppings in our midst.

Moscow, Russia.
H. J. Löbsack.

## Notes of Progress in Our Foreign Missions.

From atl parts of the field there comes the encouraging word of new believers uniting with the peoplé of God. It is fruitage in souls won for the kingdom of heaven that brings true joy and blessing to the hearts of our missionaries. This is true, also, in the home fields for there is no joy to be compared with that of being instrumental in leading souls to the feet of Jesus. Brother Spencer Maxwell from the Pare district of Tanganyika reports a recent baptism of twelve. In the Mwanza district of the same territory Brother Cuthbert says that recently fifty-one united with them by baptism. From the old land of Persia the news has just reached us that Brother Oster has baptized no less than forty and organized the first church in that country. From far away Mauritius Brother Raspal reports that twenty have just gone forward in this sacred ordinance. Brother Gudmundson, who is located at Asmara in Eritrea, on the North-East Coast of Africa has just written to say that he has baptized five. Brother Delhove in the Ruanda section of the Belgian Congo has just gathered in the first fruits of earnest diligent labour. Five, including his eldest daughter, have been buried with their Lord in the watery grave. From Iceland we learn of splendid results from a recent effort conducted by Brother Olsen. He expects in the course of a few weeks to have a baptism of not less than thirty souls. Brother McClements also reports a baptism of fifteen at Ipoti in Nigeria.

New recruits have been sent to some of our missions. Most of these, however, are to replace those who had to leave on account of failing health. Brother G. King and wife have sailed for Sierra Leone, also Miss Middleton, who takes charge of the girls' school in the same colony. Brother
E. G. Essery has left for Esypt to take charge of our colporteur work in the ancient land of the Pharaohs. Brother H. Munson has gone to the Gold Coast and unites with the small force of labourers in that West African field. Brother and Sister Karl Jensen from Scandinavia are also on their way to Abyssinia.

Brother Nils Zerne who is well known to our believers in Scandinavia and to many also in Great Britain is now located in Syria. He is living at Beirut near the northern end of the Lebanon range.

At an early date Brother J. McGeachy, who has spent a few years in Egypt will leave for Mesopotamia. He will locate at Mosul, the site of ancient Nineveh. We have a church of nine members there at the present time. This church was organized by Brother Ising on his recent visit to that land which figured so largely in Old Testament days. Brother E. Grin who has been connected with the work in Switzerland for some time has gone to take charge of the work at Constantinople. We learn that he and his family have arrived there safely and he is now becoming acquainted with the problems of our work in the Near East.

In a recent letter received from Ruanda we learn that Brethren Matter and Monnier with their families returning from furlough have arrived safely at their mission stations. They were given a royal welcome by the people of the villages. The natives kept singing and dancing until very late at night. Brother Borgeaud, now on furlough from Nigeria, will soon return to the mission field again. Brother Ashton and family have just reached England from Sierra Leone. Miss West, Miss Howard and Mrs. Lowe have also just arrived. These workers need a season of recuperation after spending some years in labour under Africa's tropical sun.

Practically all our mission fields are cooperating with us in the Harvest Ingathering Campaign this year. It is a little too early to record results but we hope soon to be able to pass on encouraging word as to what our workers in the mission fields have been able to accomplish. The Faroe islands with a membership of but eighteen expects to raise the sum of one thousand Danish kroner. A letter received last week tells that they have already gathered 600 kroner. In Iceland they are entering into this work for the first time this year. They set their goal at two thousand kroner and there is every hope that they will go well beyond this figure.

We have just heard from Brother Greaves of Greece and he reports that they have been successful in securing very suitable permanent quarters for our Near East orphanage. You will recall that last March the young people were brought over from Constantinople and accommo-
dated temporarily in wooden barracks. At the Summer Council of the European Division Committee it was decided to secure a suitable permanent building for our orphanage and training school.

Truly the Lord is going before us in the regions beyond. Many are the calls that are pressing in upon us to-day. May God help us to be faithful in our individual experience, in our service and in our gitts to His cause.

> W.E. Read,

Foreign Mission Secretary for the European Division.

## The Friedensau Seminary.

The name of Friedensau is well known among our people and, with many thousands is associated in their minds as the pleasant grounds. where in pre-war times our annual camp meetings were held. It was here that our first seminary in Germany was founded in 1899. Being near .the city of Magdeburg Friedensau has quite a central location.

From its modest beginnings the school has developed into an important educational factor in our work. In the course of time 1350 students have graduated here who are now scattered in all directions of Germany and hold the most varied and important positions in the cause. They are found in many fields of the European Division and also in Asia, Africa and America.

Two large brick buildings provide ample facilities for dormitories, class rooms, an auditorium seating 200 and a chapel for some 500 persons. Besides these main structures there are twelve other buildings on the grounds accommodating the various branches of industrial work operated here such as a flour mill, a bakery, a locksmith's workshop, carpentry, tailory, shoemaking, book-bindery, soap manufactury etc. and the necessary dwellings for the faculty and employees. Some 80 hectares are available as farm and garden land.

The former sanitarium is now attached to the school as a convalescent home for our own people and on some days during the past year as manyr as one hundred persons were taken care of.

Our largest enrolment at the school numbered 240 before the war. During those troublous times, however, it dwindled down to 5 students, so that, in 1917, we were compelled to close the institution. In October 1919 the doors were again opened and work resumed on a small scale. This has increased ever since. Our curriculum has been revised and improved and the courses of study lengthened gradually from two and one half years to four, and finally to six years. At the present time we operate departments for ministers, teachers, missionaries, colporteurs and domestic science.

At the beginning of 1923 we had an enrolment of 115 students including 58 foreigners for whom the Friedensau school has always made special provision. In the course of the year there were 92 additions inclusive of 29 coming from countries outside of Germany. 71 students have been discharged so that, when the year closed, we had 136 students, 92 Germans and 44 of other nationality composed of 108 male and 28 female students. Children under 14 years are not included as they attend the church school operated here at Friedensau.
creased cost of living, the depreciation of the currency and unemployment. To most of our students it meant a great sacrifice to come at all and to hold out that long as only a few receive help from outside, while the majority depend on the earnings offered them by our industrial work which, however, barely cover their expenses for board. We are grateful for the financial and other help rendered us from friends of the school and also by the Division and General Conference.

With the stabilization of the German mark our foreign students find it difficult to remain as


The School Building at Friedensau.

By the establishment of two new seminaries in Germany, those at Aibling and at Neanderthal in the Central European and West German Unions respectively, we have lost a considerable territory from which we formerly drew our students. The fact also, that Russia has become so exclusive means a loss to our school as, in former years, we maintained a strong Russian department.

We are glad for this degree of prosperity our school enjoys in spite of all the trials it has passed through in recent years. The economic crisis is affecting us seriously and deals a hard blow to our young people who would like to get a training and to those already at school. Formerly well-todo people have suddenly become destitute as a result of conditions in Germany through the in-
living becomes too expensive for them especially for those from some of the eastern countries with depreciated currency. Hence some of them are returning home so that our foreign constituency has decreased from 50 to $32 \%$ of our student body.

Nevertheless the spirit of our teachers and students alike is excellent. The week of prayer was a season of special blessing to all. Our newly published school magazine called "Der Rufer" will bear witness to this fact. At the present time we have a faculty of 11 teachers and we trust that our staff will increase with a further growth of the school. We believe that better days are before us.

Friedensau, December 1923.
W, Müller, Principal.

## Missionary Sailings.

Aside from the other new appointments mentioned in the article of brother W. E. Read to strengthen the force of our workers in the African fields, several other brethren will be sailing, during the month of February, into quite different regions.
A. Koch, of the editorial staff of the Hamburg Publishing House and for some time editor of our German church paper, and his wife, a Zehlendorf nurse, are leaving February 21 on a French iner from Marseilles to Japan. They will be accompanied by brother W. Pudewell, from Magdeburg, who is to connect with evangelistic work in Korea. It will take them 45 days to reach their port oi disembarkation. When passing through Berne, the church and young people's society here gave them a very hearty farewell.
K. Kaltenhäuser, formerly in active service in East Africa is sailing on a Dutch liner from Amsterdam February 20 to join the work in Brazil, South America. His wife, who is also a trained nurse, will be a good help to him in his new work among the German churches in the interior of that large country.

James McGeachy writing from Cairo, Egypt, February 14, has made all arrangements to start out on his journey to the land of Abraham, Mesopotamia. After spending a few days at Jerusalem and with brother Zerne at Kousba on Lebanon in northern Syria, he and his wife are planning to leave Beirut February 27 and hope to reach Bagdad in two days, on the 29 . of that month. They will follow the short route opened during the last year when, during the "deluge" that threatened Bagdad in March as a result of the breach in the river bank, motor trucks were dispatched through the desert to fetch some necessary machinery coming from Egypt. Though several private parties attempting this feat shortly after have perished owing to the great dearth of water on the road, human perseverence and ingenuity have succeeded in opening up this new highway that now facilitates traveling in these regions. The route follows a line from Damascus, after starting at Beirut and crossing the Lebanon range, to Palmyra on the edge of the Syrian desert, believed to be the Tadmor of Solomon mentioned in 2. Chron. 8:4 and famous from the reign of queen Zenobia in the third century of the Christian era. Then there is a long run across to Hit in the east on the banks of the Euphrates river.

Brother McGeachy says that he has had the pleasure of meeting Nasif at Cairo, the younger brother of brother Bashir, who has spent a few days with the church at Cairo on his business trip to England and America, and contimues: "I am taking 200 of the Arabic book on the prophecies of Daniel with me. Also I learn from brother Nasif
that there is a good field for English and Jewish literature of which I have a good supply (there are over 40,000 Jews at Bagdad. Ed.). Canvassing is my first thought for the start of the work there."

To begin with our literature is certainly a sound principle and, no doubt, it will not be long until we hear of good results. We certainly reioice that, after 14 years of patient waiting a missionary is finally located permanently here. Thus a new comntry has been added to our growing family of missions operated by the European Division.
W. K. Ising.

## Missionary Zeal.

The cause of missions is dear to the heart of every loyal Adventist. Many there are in the homelands working for their Master in the limited circle of their activities with a lingering hope of some day having the privilege of connecting with the work in the regions beyond. Young and old are alike enthusiastic in this matter.

Here are a few illustrations culled from letters received in recent months indicative of the missionary spirit gleaming in the hearts of our people in the different lands.

A French brother now 59 years old inquires confidentially whether, in our opinion, he could still adapt himself to conditions in foreign fields to render useful service. "I am in good bealth, alert and active," he adds and mentions that he has a daughter of 21 who is a trained nurse, and a son of 25 who is preparing for work in one of our schools.

Writing from a northern land, a sister, a capable teacher in one of our seminaries speaks of the burden she has felt for years to work for the Mohammedans, Afghanistan being specially in her mind. Reports from my travels in the Near East have again aroused her ardent desire, and she says: "I still hope to go to such a place yet and work for the Mohammedans. There is no doubt but that many a faithful soul will be found among them. I am now aflame with enthusiasm and I shall not give it up until someone is found to preach the message among the 16 millions of that country. It is now open. Why not step right in?"

This sister then asks a number of questions how she can best approach a native of that country with whom she has come in contact in the homeland and continues: "Don't think me mad. I am in real earnest. I shall now work in silence with this person. God is mighty enough to change the hearts even of kings. With His help my three boys shall some day do the work and reach the goal that has unfortunately been denied me."

Writing from a western state of America under date of December 19, a physician now 74 years of age says that an article on travels in Mesopotamia recently appearing in the Review has transported him back almost seventy years into Bible lands when there with his father who was a Presbyterian missionary. Men like Dr. van Dyke, the translator of the Arabic Bible and others mentioned in that article, were friends of their home.

This brother writes that he is not doing much now at his medical practise but that he spends most of his time on a little fruit ranch. It was here that he recently had a dream, he says, and quotes Joel 2:28 in support according to which "I found myself gathering fruit into a basket in one of the courtyards of old Damascus. My basket would hold 20 to 30 , and I filled it full." He then goes on to say: "I believe that some day I am going to gather fruit for the heavenly garner right back there where I was born. It must be getting ripe by this time and ready to pick. I wish I had more of God's spirit to fit me for such work. But maybe I must just walk out by faith; this is perhaps all I need." And further: "I think I will make a tour to "Sham" (i. e. Damascus and all that section) next fall. My wife says she will help me out . . I feel that I could again pick up the Arabic. I will some day talk some of those old missionaries into the truth."

Think of a brother of 75 years planning on a missionary visit to Syria and Palestine to preach the message to the people of his early associates. He may, however, take courage from the fact that Abraham was of the same age when the Lord called him out of Ur of the Chaldees to proceed to the land of Canaan.

A German brother formerly a missionary in East Africa has heard of an opening in a foreign field for which he makes application. Writing of the work he is now engaged in, how he enjoys it, he closes his letter with this significant paragraph: "I am very happy in my present work, but after all it is a fact that in the hearts of all "Africans" there remains the longing again to join the oreign mission work."

Another case among others is that of a German: sister, a nurse, now well advanced in years ans of rather delicate constitution who has been comected with the work in Palestine for a number of yoars and for some time also with our hydropatic matitution operated at Jerusalem before the war.

Writing January 29, she relates, rather mozorraby, ? little incident of recent experience. Kowirg lien urdent desire to return to Palestine somons - ented her with a little card issued in suge. cyle like the ordinary railway tickets an: "ea the following printed text: Free ticket
to Jerusalem, out and not to return. 4. class (B), price $0,00 \mathrm{M}$., valid from any station.

She greatly prized this little ticket believing it to come perhaps from one of the generous American Relief Associations affording her the privilege of recuperating during the economic crisis that was ravaging Germany, learning later, however, that some friends had played a joke on her. These tickets had been circulated by the antiJewish league and dropped into the mail boxes of the Jews as a means of propaganda.

Smiling at her own credulity which must be explained from the circumstances', our sister has quickly recovered from the disappointment, comforting herself, as she writes, with the blessed hope ". . . that it will not be long until we shall all meet in the new and heavenly Jerusalem. It is true, I am happy also here in the work where the Lord has placed me and I pray that He might sustain me and preserve my strength for further useful service while time lasts."

## W. K. I.

## A Good Word from the Far East.

Writing under date of January 15 from Shanghai, China, the headquarters of the Far Eastern Division, Elder I. H. Evans, the vice-president of that large field informs us that they are looking forward to the early arrival of the German missionaries. "The needs here are tremendous", he says and continues to give us this further good word of the work in that Division:
"I think the work has made the best progress in its history during the year 1923. Of course, We are not doing anything near what you are doing in Europe, but we have made some good records during the past year. In that large Catholic territory, the Philippines, we shall doubtless have an increased membership of one thousand for 1923 , and I think we shall have an increase of another thousand in territory outside the Philippines. If we had all Philippine territory, we could certainly make a wonderful increase in our membership. Under those conditions I think we could increase to about fifteen thousand during the year. But we find that the people in these heathen countries accept of the gospel very slowly, and it takes a long time and much effort to buld up even one church.
"Our five publishing houses did better last year than ever before. The one here in Shanghai will have sold about $\$ 125,000$ worth of literature. The house in the Philippines will do about the same. The Korean house, and those in Japan and Malaysia will also show good increases in the circulation of literature. All our schools are full to their capacity, and our dormitories are taxed
to the limit of their accommodation. Some of them are much more than full."

We certainly rejoice with our brethren in the Far East at this good news of the progress of the work. So far as we can gather from the latest figures, they must have something like 12,000 members in this Division, and we hope that their numbers will continue to increase more rapidly in this country with its teeming millions.

## Evangelistic Campaigns.

Very encouraging reports reach us from various parts of the field as we are preparing this material for the press that reveal a mighty impulse along evangelistic efforts. "A big attack on London" is being made by several brethren as we learn from the latest issues of the "Missionary Worker". Brother W. Maudsley held his opening lecture on "Europe's Last Gasp" in a large theatre in London with over 1300 persons in attendance. Hundreds were turned away. This was January 27.

In a personal letter brother L. W. Barras speaks of another campaign he has just opened February 3 in a cinema, when more than 2500 were present. He says: "We were literally swamped. Six hundred and fifty names were handed in for literature, and $\mathfrak{£} 20$ were received. in collections. This is a miracle for London and the Lord is certainly doing great things for us."

Writing from Libau, Latvia, brother K. Rose sends us this good word of the work he is doing in that city: "It is now three months that I am holding meetings here for the Letts and Germans. Our halls are always crowded so that the police watch outside and let nobody in when they are full. Often I have had to repeat the sermon so as to give those a chance who had to wait outdoors. Our collections have thus far covered the expense and also my salary so that I did not need to draw on the conference funds since I am here. There is sufficient money in the world to pay for
our work. December 28 I had the pleasure of baptizing our firstfruits and we look forward to a rich harvest of souls in the near future."

Brother O. Giebel, president of the Hansa Conference in West Germany, is having a remarkable experience in the city of Hamburg. After passing out hand-bills once early in October, they have done no further advertising and have since had a standing attendance in several localities aggregating over 2000 persons who have continued to come during a course of lectures covering 40 topics thus far.

The collections have been so liberal as to meet ali the expenses, leaving a surplus sufficient to pay the salary of the conference president and some six younger workers for the months of December and January.

When preaching on Rev. 13 and 17 Catholic priests and Jesuit doctors with quite a following of their various orders and students were present. The discussion was very lively but turned out in our favour. The collection at the close of the meeting was double the usual amount although the Jesuits declared they would have brother Giebel delivered to the public prosecutor. In the month of February they hoped to baptize some 100 persons as the fruit of these labours.

Special classes had been formed for our young people to train them to follow up the interest. These were called "Heroe Classes" which is the German rendering of 2 . Sam. 23:8 where reference is made to the mighty men of David. These began with 15 members but gradually increased so that they had to move into larger quarters. Many outsiders attended and joined in missionary work with their neighbours.

The brethren are now fitting out a motor lowry to be used as an ambulant book-store for the circulation of our literature broad-cast throughout the country. The vehicle will be large enough to accommodate six colporteurs who will also sleep in the car during the night. They plan their first itinerary in March or April and hope to quadruple their staff of canvassers by that time. Surely the Lord is doing great things for His people.


[^0]:    * Distributed.

[^1]:    ${ }^{1}$ ) Oniy for Febr, and March reported.

